कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली राम चन्द्रन) : (क) भू उपयोग सांख्यिकी के भाग के रूप में विभिन्न फसलों, जिसमें गेहूं भी शामिल है, के तहत क्षेत्रों का प्रत्येक वर्ष नियमित रूप से संकलन किया जाता है।

(ख) 1991-92 के दौरान देश में गेंहूं की खेती के तहत कुल क्षेत्र 22.98 मिलियन हैक्टेयर था। वर्तमान वर्ष अर्थात् 1992-93 के दौरान कुछ राज्यों में सिंचित गेहूं की बुवाई अभी चल रही है। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष गेहूं की बुवाई का क्षेत्र 1991-92 की तुलना में बढ़ सकता है।

(ग) वर्तमान वर्ष अर्थात् 1992-93 के दौरान गेहूं की खेती के तहत क्षेत्र, पिछले तीन वर्षों के दौरान 25.3 मिलियन हैक्टेयर सामान्य क्षेत्र के समान ही होने की संभावना है।

Production of Tobacco

1815. DR. YELAMANCHILI SIVAJI : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that recently Hon'ble Agriculture Minister at Hyderabad appealed to the growers to grow more Tobacco;

(b) if so, what are the details; and

(c) what steps are being taken in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN) : (a) to (c) Agriculture Minister while addressing the Indian Tobacco Development Council at Hyderabad on November, 15, 1992 indicated that the tobacco crop should be developed as purely an export oriented crop to earn more foreign exchange, and its domestic use be minimized. He therefore, suggested that more enphasis needs to be given to the development of varieties which have export potential such as VFC and Burley tobacco, and transfer of technology to the growers, which may help in increasing their productivity.

The Indian tobacco Research Institute of Indian Council of Agriculture Research and the Tobacco Board under the Ministry of Commerce are actively engaged in the research and development of export oriented tobacco.

रामतिल का निर्यात

1816. **श्री अजीत जोगी** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश में आदिवासी कृषकों की "रामतिल" प्रमुख तिलहन फसल है ;

(ख) यदि हां, तो कुल कितने क्षेत्र में इसकी खेती की जाती है और इसका कुल कितना उत्पादन होता है और उसमें से कितना आदिवासी क्षेत्र है ;

(ग) क्या रामतिल की मांग विदेशों में है, यदि हां, तो इसके निर्यात के लिए क्या व्यवस्था की गई है; और

(घ) क्या रामतिल के निर्यात की संभावनाओं को देखते हुए इस फसल पर अनुसंधान कार्य किये जा रहे हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) रामतिल मध्य प्रदेश में आदिवासी किसानों द्वारा उगाई जाने वाली प्रमुख फसल है।

(ख) 1991-92 के दौरान मध्य प्रदेश में रामतिल के अन्तर्गत आने वाला कुल क्षेत्र 2.15 लाख हैक्टेयर का था और इसी वर्ष के दौरान इस राज्य में इसका कुल उत्पादन 29,000 मीटरी टन हुआ था। राज्य के 8 प्रमुख आदिवासी जिलों में रामतिल के तहत आने वाला कुल क्षेत्र लगभग 1,88,500 हैक्टेयर था।

(ग) जी हां, भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) और भारतीय आदिवासी सहकारी विपणन संघ (ट्राईफेड) के माध्यम से रामतिल को